Contents

अनुक्रमणिका

स्मरण : आभार .....

प्रस्तावना .....

अध्याय	शीर्षक	पृष्ठ
प्रथम अध्याय :	**डॉ. सूर्यदीन यादव का व्यक्तित्व एवं कृतित्व**	१

(अ) डॉ. सूर्यदीन यादव के व्यक्तित्व का रेखांकन

- रघुनाथ के दो पुत्र
- सूर्यदीन यादव के व्यक्तित्व की रेखाएँ
- माता-पिता
- पढ़ाई तथा संसार
- पारिवारिक स्थिति
- शिक्षा-दीक्षा

(ब) व्यक्तित्व के आयाम

- जमीन ऊर्जा के कवि सूर्यदीन यादव
- माटी से उपजे कहानीकार
- द्विअंचल आयामी उपन्यासकार
- स्पष्ट बेबाक समीक्षक
- संघर्षशील व्यक्तित्व
- स्पष्टवक्ता
- सम्मानित साहित्यकार

(क) यादवजी का कृतित्व

- संस्मरण
- संदर्भ

द्वितीय अध्याय : आधुनिक हिन्दी कहानी और डॉ. सूर्यदीन यादव ३२

- आधुनिक हिन्दी कहानी की विकासयात्रा : एक विहंगावलोकन
- प्रेमचंद से पहले की हिन्दी कहानी (सन् १९०० ई. से. १९१५ ई. तक)
- नयी कहानी
- अकहानी
- सचेतन कहानी
- सहज कहानी
- समान्तर कहानी
- जनवादी कहानी
- सक्रिय कहानी

(ब) गुजरात के कहानीकारो में सूर्यदीन यादव का स्थान

- संदर्भ

तृतीय अध्याय:डॉ. सूर्यदीन यादव का कहानी साहित्य : ५६

तात्विक विवेचन

(अ) यादवजी की कहानियों की संक्षिप्त कथावस्तु

(ब) यादवजी की कहानियों का तात्विक विवेचन

- सूर्यदीन यादव की कहानियों का कथानक
- पात्र व चरित्र-चित्रण
- यादवजी की कहानियों में कथोपकथन
- देशकाल और वातावरण
- उद्देश्य
- भाषा-शैली
- संदर्भ

चतुर्थ अध्याय : डॉ. सूर्यदीन यादव की कहानियों का कथ्य एवं शिल्प : विशिष्ट आयाम १२९

(अ) कथ्य के विशिष्ट आयाम

- निम्नवर्गीय पात्र
- स्त्री का चरित्र और दाम्पत्य जीवन
- सामान्य और मुस्लिम संदर्भ
- राजनीति की निर्ममता
- आर्थिक समस्याओं से जुझते पात्र

(ब) यादवजी का जीवनदर्शन

(क) शिल्प के विशिष्ट आयाम

- शब्द चयन और भाषारूप
- भाषा का सौदर्यपक्ष
- प्रतीकात्मकता
- बिम्बात्मकता
- साकेतिकता
- काव्यात्मकता
- अलंकारिकता
- बोली-भाषा
- संदर्भ

पंचम अध्याय-डॉ. सूर्यदीन यादव के उपन्यासों का तात्त्विक विवेचन १७१

(अ) सूर्यदीन यादव के उपन्यासों की कथावस्तु

(ब) सूर्यदीन यादव के उपन्यासों की कथानक संरचना

- पात्र व चरित्र-चित्रण
- कथोपकथन

- देशकाल और वातावरण
- उद्देश्य
- भाषा-शैली
- संदर्भ

उपसंहार २५०

- परिशिष्ट

(अ) संदर्भ ग्रंथ सूचि

(आ) यादवजी का समग्र रचना संसार

• • •